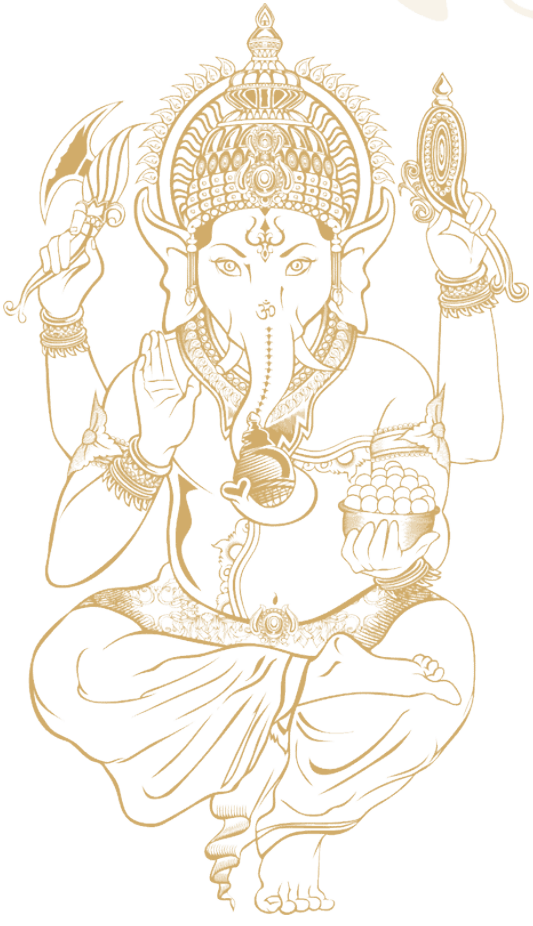

Somaya chopra

14 May 2023

06:03 PM

Rohtak

Model: web-freekundliweb

Order No: 121196410

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**14/05/2023**
दिन	रविवार
जन्म समय	**18:03:00 घंटे**
इष्ट	31:14:14 घटी
स्थान	**Rohtak**
राज्य	Haryana
देश	India

अक्षांश	28:54:00 उत्तर
रेखांश	76:38:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:23:28 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	17:39:32 घंटे
वेलान्तर	00:03:39 घंटे
साम्पातिक काल	09:07:31 घंटे
सूर्योदय	05:33:18 घंटे
सूर्यास्त	19:06:43 घंटे
दिनमान	13:33:25 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	29:17:19 मेष
लग्न के अंश	16:34:55 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**कुम्भ - शनि**
नक्षत्र-चरण	**पू०भाद्रपद - 2**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	वैधृति
करण	विष्टि
गण	मनुष्य
योनि	सिंह
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मेष
युँजा	अन्त्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	सो-सौम्या
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - लौह
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	16:34:55	308:20:17	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	शुक्र	---
सूर्य			मेष	29:17:19	00:57:55	कृतिका	1	3	मंगल	सूर्य	राहु	उच्च राशि
चंद्र			कुंभ	24:33:16	14:00:43	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	सम राशि
मंगल			कर्क	02:20:47	00:33:51	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	राहु	नीच राशि
बुध	व		मेष	11:41:01	00:02:50	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	बुध	सम राशि
गुरु			मेष	05:18:54	00:13:48	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	मंगल	मित्र राशि
शुक्र			मिथु	13:20:36	01:04:26	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	बुध	मित्र राशि
शनि			कुंभ	12:05:01	00:03:15	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	शनि	मूलत्रिकोण
राहु			मेष	09:45:52	00:01:25	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	शनि	शत्रु राशि
केतु			तुला	09:45:52	00:01:25	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	गुरु	सम राशि
हर्ष			मेष	25:01:38	00:03:28	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	बुध	---
नेप			मीन	02:54:49	00:01:27	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	---
प्लूटो	व		मक	06:08:44	00:00:21	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	---
दशम भाव			कर्क	20:13:56	--	आश्लेषा	--	9	चंद्र	बुध	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:10:50

लग्न-चलित

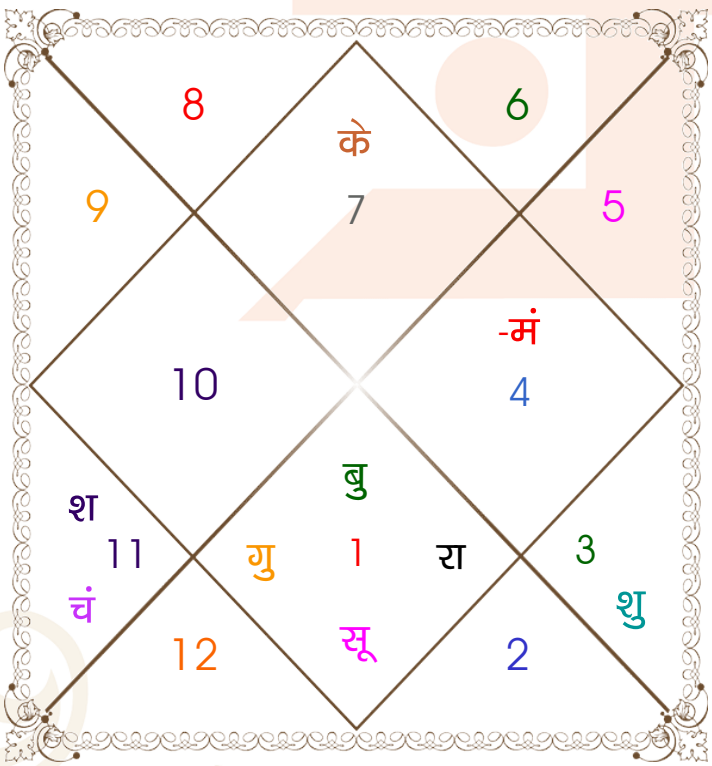

चन्द्र कुंडली

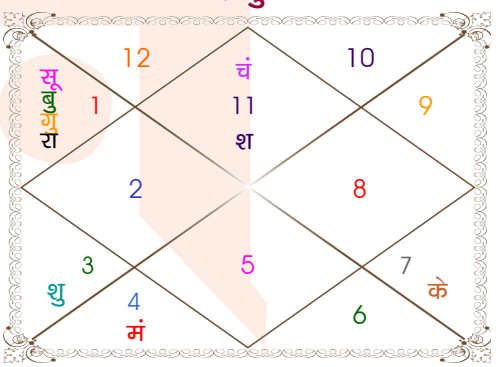

नवमांश कुंडली

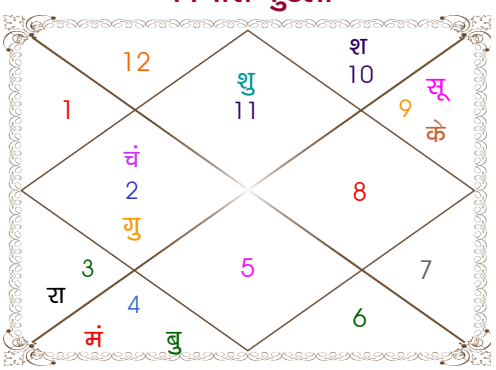

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 10 वर्ष 6 मास 12 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
14/05/2023		25/11/2033		25/11/2052		25/11/2069		25/11/2076	
25/11/2033		25/11/2052		25/11/2069		25/11/2076		25/11/2096	
	00/00/0000	शनि	28/11/2036	बुध	23/04/2055	केतु	23/04/2070	शुक्र	26/03/2080
	14/05/2023	बुध	08/08/2039	केतु	20/04/2056	शुक्र	23/06/2071	सूर्य	27/03/2081
बुध	31/10/2024	केतु	16/09/2040	शुक्र	18/02/2059	सूर्य	29/10/2071	चंद्र	25/11/2082
केतु	07/10/2025	शुक्र	16/11/2043	सूर्य	26/12/2059	चंद्र	29/05/2072	मंगल	25/01/2084
शुक्र	07/06/2028	सूर्य	28/10/2044	चंद्र	26/05/2061	मंगल	25/10/2072	राहु	25/01/2087
सूर्य	27/03/2029	चंद्र	30/05/2046	मंगल	24/05/2062	राहु	13/11/2073	गुरु	25/09/2089
चंद्र	27/07/2030	मंगल	08/07/2047	राहु	10/12/2064	गुरु	20/10/2074	शनि	25/11/2092
मंगल	02/07/2031	राहु	14/05/2050	गुरु	18/03/2067	शनि	29/11/2075	बुध	26/09/2095
राहु	25/11/2033	गुरु	25/11/2052	शनि	25/11/2069	बुध	25/11/2076	केतु	25/11/2096

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
25/11/2096		26/11/2102		26/11/2112		27/11/2119		26/11/2137	
26/11/2102		26/11/2112		27/11/2119		26/11/2137		00/00/0000	
सूर्य	14/03/2097	चंद्र	27/09/2103	मंगल	24/04/2113	राहु	09/08/2122	गुरु	14/01/2140
चंद्र	13/09/2097	मंगल	27/04/2104	राहु	12/05/2114	गुरु	01/01/2125	शनि	28/07/2142
मंगल	19/01/2098	राहु	27/10/2105	गुरु	18/04/2115	शनि	08/11/2127	बुध	15/05/2143
राहु	14/12/2098	गुरु	26/02/2107	शनि	27/05/2116	बुध	28/05/2130		00/00/0000
गुरु	02/10/2099	शनि	26/09/2108	बुध	24/05/2117	केतु	15/06/2131		00/00/0000
शनि	14/09/2100	बुध	25/02/2110	केतु	20/10/2117	शुक्र	15/06/2134		00/00/0000
बुध	21/07/2101	केतु	26/09/2110	शुक्र	21/12/2118	सूर्य	10/05/2135		00/00/0000
केतु	26/11/2101	शुक्र	27/05/2112	सूर्य	27/04/2119	चंद्र	07/11/2136		00/00/0000
शुक्र	26/11/2102	सूर्य	26/11/2112	चंद्र	27/11/2119	मंगल	26/11/2137		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 10 वर्ष 6 मा 19 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के तृतीय चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर कुंभ राशि का नवमांश एवं कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित था। तुला प्रभावित स्वरूप के अनुसार अनुकूल जन्म बिंदु यह सुनिश्चित करता है कि आपका जीवन उत्तम फलदायी रहेगा। साथ-साथ यह भी संकेत प्राप्त हो रहा है कि स्वयं ही कोमल भावनाओं से तप्त पथ पर चल कर मुसीबतों का सामना करना पड़ेगा।

स्वाती नक्षत्र एवं तुला राशि यह निर्देशित करता है कि आप स्वास्थ्य धन एवं प्रसन्नता के दृष्टि से सौभाग्यशाली है। परंतु कुंभ नवमांशदिक प्रभाव से यह दृश्य हो रहा है कि आप स्वभाव से डरपोक एवं द्विस्वभात्मक विचार के महिला हैं। यह आपकी प्रतिभा के समतुल्य नहीं है। इससे आपका साहस विश्वसनीयता, छवि, सत्यनिष्ठा एवं न्याय प्रियता में समानता नहीं हो रही है। आपको इस संभव नकारात्मक प्रवृति पर सफलता प्राप्त करनी चाहिए।

ऐसा हो सकता है कि आप व्यक्तिगत रूप से अपने पति के प्रति श्रद्धावान होकर उसको प्रसन्न रखने के लिए वासनामय प्यार दे सके। ऐसी भी संभावना है कि आप अपने गुण के अनुरूप अपने जीवन साथी को संतुष्ट करने के लिए किसी भी प्रकार से सामंजस्य स्थापित कर ले। परंतु जब ऐसा प्रदर्शन करने का मौका मिले तो वासनात्मक ज्यादती किसी भी विपरीत योनि के साथ करने की भावना से मिथ्याचारी प्रदर्शन कर के आप अंदर से कुछ और बाहर से कुछ और हैं ऐसा प्रमाण प्रस्तुत कर दे। आप सामान्यतः विपरीत योनि के प्रति विख्यात प्राणी है। आप प्रेम प्रसंग एवं वासनात्मक तृप्ति हेतु कामातुर होकर संतुष्टि प्राप्ति कर सकती हैं। इस प्रकार की प्रवृति आपको अन्दर से कुछ और तथा बाहर से कुछ और रूप में प्रस्तुत करती है।

यह बहुत उत्तम हो कि आप इस प्रकार के प्रसंग का निषेध कर अपनी संगिनी के प्रति विश्वासपात्र बनें। इस प्रकार की सदभावना पूर्ण कार्य कलाप से आपकी पारिवारिक व्यवस्था सुदृढ़ हों तथा आपके समझदार पति एवं सुंदर संतान युक्त परिवार में प्रसन्नता का सृजन हो जाए।

आपका जीवन सामान्यतः आपके कठिन श्रम युक्त एवं आपकी कुशाग्र बुद्धि के कारण उत्तम रहेगा। क्योंकि आप अत्यंत धन व्यय कर अपने परिवार को व्यवस्थित रखेंगी। आपके जीवन के इस वर्ष की अवस्था से 35 वर्ष की आयु तक का समय पूर्ण रूपेण धनमात्र के लिए महत्वपूर्ण रहेंगे। जिस वजह से आप मुक्त हस्त से धन का व्यय नहीं करेंगी। बल्कि आप सदैव भवन को आकर्षित बनाने में आधुनिक साज शय्याओं एवं कलात्मक ढंग से सजाने पर भी धन का व्यय करेंगी। अन्य शब्दों में आपके आय की आंशिक राशि आपके सम्मिलित होने कारण व्यय होगी। अंत में परिणाम यह होगा कि आपकी वृद्धा अवस्था में धन का अभाव हो जाएगा तथा आपके पास मात्र काम चलाऊ धन राशि शेष रह जाएगी। आपकों अपनी वृद्धावस्था के लिए सदैव ही स्वास्थ्य संबंधी कुछ सावधानी बरतनी चाहिए। आप निःसंदेह उत्तम स्वास्थ्य का आनंद हर परिस्थिति में अच्छी प्रकार से प्राप्त करेंगी। लेकिन कुछ वर्षों के पश्चात्

नाजुक परिस्थिति में कतिपय रोग यथा चर्म रोग, तथा मूत्र संबंधी रोगादि से प्रभावित होने की आशंका है। अतः आपको इन रोगों के प्रति पूर्व ही सावधानी बरतनी चाहिए।

आप अपने कार्य-कलाप में उन्नति हेतु संबंधित अनुकूल अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक उपयुक्त है। परंतु अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक आपके लिए अनुपयुक्त एवं प्रतिकूल हैं। अस्तु अनुपयुक्त अंको का व्यवहार न करें

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।